

PROF. RAJAGOPALAN VASUDEVAN

Prof. Rajagopalan Vasudevan, M.Sc., PhD. is the DEAN & Professor of Department of Chemistry, Thiagarajar College of Engineering, Madurai, Tamil Nadu. He has 42 years of teaching experience with publications in reputed international and national Journals. He did his Ph.D. in Physical Organic Chemistry.

2. Born on January 30, 1945, Prof. Vasudevan received his Bachelor degree, Post Graduate degree and Doctorate degree in chemistry from University of Madras. He joined Thiagarajar College of Engineering in the year 1975 as lecturer and rose to a level of professor and Dean.

3. Prof. Vasudevan is a man on a mission to clean India from plastic waste. He had a different approach towards plastic. He describes plastic as poor man's friend and ban is not a solution. With the view of changing the way plastic is treated in the country, in the year 2002, he innovated a technique of making roads using plastic waste, an eco-friendly process. Soon after he patented the technology (A-CH\871\198254), he could have earned a buck load by selling it off to private companies. Instead he chose to share it with the Government of India for free. While the world is struggling with a method to dispose plastic, Prof. Vasudevan, with his persisting experiments, has cracked the code on this global issue. His dry process has been recognized by Indian Road Congress and it released the code (IRC:SP:98-2013) for his process .This technique is being implemented in many states of India. In 2015, Government of India has made it a rule for road developers to utilize plastic waste in road construction within 50km radius of any city with a population over 5 lakhs. This technology serves the twin purpose of increasing quality of roads and also solves the problem of plastic pollution. He has developed newer products using waste plastic like Plastone (one among five innovations of the year 2016) and cold process, corrosion free rods etc.

4. Prof. Vasudevan was awarded with projects by AICTE, New Delhi. The Central Pollution Control Board, Delhi signed a MoU with him on Preparation of Status Report on Reuse of Plastics Waste in Road Construction and MoU on Performance Studies on Built Plastic Tar Roads. The Department of Science and Technology, Govt. Of India, awarded three project of worth Rs 1.2 crores for finding solutions of waste plastics, e-waste and other waste materials. Under Ministry of Drinking Water and Sanitation, a project sanctioned to build low cost Toilet using plastone has been successfully carried out. He signed a MoU with Indonesia for technology transfer.

5. Prof. Vasudevan was awarded with Tech Icon of India-SAFAIGIRI award constituted by India Today Group under Swachh Bharat scheme and was presented by The Honourable Prime Minister of India Mr. Narendra Modi on October 2, 2015. He was a Nominee for Amazing Indians Award Constituted by Times Now Group. He was awarded the Tapman Award by Tamil Nadu Plastics Manufactures Association. His Highness The King of Mewar, Udaipur appreciated his service to the society and the environment with a "Maharana Udai Sing Award — 2017. The Kalam Innovation Centre, New Delhi recently awarded him the Dr. Abdul Kalam Innovation Governance Award on January 20, 2018. He is equally concerned in improving the ethical values of life, particularly among students through spreading the values of SRIMATH BHAGAVATH GITA.



प्रो. राजगोपालन वासुदेवन

प्रो. राजगोपालन वासुदेवन, एम एस सी, पी एच डी त्यागराजर कॉलेज ऑव इंजीनियरिंग, मदुरै, तमिलनाडु के रसायन विभाग के डीन और प्रोफेसॅर हैं। सुप्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशनों सहित आपको 42 वर्ष का अध्यापन का अनुभव है। आपने अपनी पी एच डी फिजिकल आर्गेनिक केमेस्ट्री में की है।

2. आपका जन्म 30 जनवरी, 1945 को हुआ था। आपने मद्रास विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि तथा रसायन में परास्नातक एवं डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। आपने वर्ष 1975 में, एक व्याख्याता के रूप में त्यागराजर कॉलेज ऑव इंजीनियरिंग में कार्य ग्रहण किया और प्रोफेसॅर तथा डीन के स्तर तक पहुँचे।

3. आप एक ऐसे व्यक्ति हैं जो भारत को प्लास्टिक कचरे से स्वच्छ करने के मिशन पर हैं। प्लास्टिक के प्रति आपका भिन्न दृष्टिकोण है। आप प्लास्टिक को गरीब आदमी का मित्र बताते हैं तथा कहते हैं कि इस पर प्रतिबंध, कोई समाधान नहीं है। जिस तरह से देश में प्लास्टिक को व्यवहार में लाया जाता है, उसमें बदलाव के विचार से, वर्ष 2002 में, आपने प्लास्टिक कचरे को इस्तेमाल करके सड़कें बनाने की एक तकनीक की खोज की, जोकि एक पारिस्थितिकी अनुकूल प्रक्रिया है। जैसे ही आपने इस प्रौद्योगिकी को पेटेंट (ए.सीएच/871/198254) कराया, आप इसे निजी कंपनियों को बेचकर काफी धन अर्जित कर सकते थे। बजाय इसके, आपने इसे मुफ्त में भारत सरकार के साथ साझा करना पसंद किया। जबकि, पूरा विश्व प्लास्टिक के निपटान हेतु किसी एक विधि के लिए जूझ रहा है, वहीं आपने अपने निरंतर प्रयोगों से इस वैश्विक मुद्दे की कुंजी खोज ली है। आपकी शुष्क-प्रक्रिया को भारतीय रोड कांग्रेस द्वारा मान्यता प्रदान की गई है और इसने आपकी प्रक्रिया के लिए संहिता (आई आर सी: एस पी: 98-2013) जारी कर दी है। इस तकनीक को भारत के कई राज्यों में क्रियान्वित किया जा रहा है। वर्ष 2015 में, भारत सरकार ने रोड डेवलपरों के लिए 5 लाख की आबादी वाले किसी शहर के 50 कि.मी. के घेरे के अंदर सड़क निर्माण में प्लास्टिक कचरे के उपयोग हेतु एक नियम बनाया है। यह प्रौद्योगिकी, सड़कों की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या को हल करके दोहरे उद्देश्य की पूर्ति करती है। आपने प्लास्टिक कचरे का प्रयोग करके नए-नए उत्पाद जैसे - प्लास्टोन (वर्ष 2016 के पांच अभिनवीकरणों में से एक) तथा कोल्ड प्रॉसिस, क्षरणमुक्त सड़कें आदि विकसित किए हैं।

4. आपको ए आई सी टी ई, नई दिल्ली द्वारा परियोजनाएं प्रदान की गईं। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, दिल्ली ने आपके साथ सड़क निर्माण में प्लास्टिक कचरे के पुन: इस्तेमाल किए जाने संबंधी स्टेटस रिपोर्ट की तैयारी के संबंध में तथा निर्मित प्लास्टिक तार सड़कों के संबंध में निष्पादन अध्ययनों संबंधी समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने कचरा प्लास्टिक, ई-कचरा तथा अन्य निष्प्रयोज्य सामग्रियों का समाधान ढ़ूंढ़ने के लिए 1.2 करोड़ रुपए की तीन परियोजनाएं सौंपी। पेय-जल एवं स्वच्छता मंत्रालय के अंतर्गत, प्लास्टोन का इस्तेमाल करके कम लागत के शौचालय निर्मित करने के लिए स्वीकृत की गई परियोजना को सफलतापूर्वक पूराकियागया। आपने इंडोनेशिया के साथ, प्रौद्योगिकी अंतरण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

5. आपको स्वच्छ भारत स्कीम के अंतर्गत इंडिया टुडे ग्रुप द्वारा संस्थापित टेक आइकॅन ऑव इंडिया- सफाईगीरी से नवाज़ा गया तथा इसे 02 अक्तूबर, 2015 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रदान किया गया। आपको टाइम्स नॉऊ ग्रुप द्वारा संस्थापित अमेजिंग इंडियंस अवार्ड के लिए नामित किया गया था। तमिलनाडु प्लास्टिक्स विनिर्माता एसोसिएशन द्वारा आपको तापमान अवार्ड प्रदान किया गया। महामहिम मेवाड़-उदयपुर के महाराज ने समाज और पर्यावरण के प्रति की गई आपकी सेवा के लिए। "महाराणा उदय सिंह पुरस्कार, 2017" प्रदान कर सराहना की। हाल ही में 20 जनवरी, 2018 को कलाम इन्नोवेशन सेंटर, नई दिल्ली ने आपको डॉ. अब्दुल कलाम इनोवेशन गवर्नेंस पुरस्कार प्रदान किया। आप श्रीमद भागवत गीता के मूल्यों के प्रसार के माध्यम से विशेषकर विद्यार्थियों के बीच जीवन के नैतिक मूल्यों के उत्थान के लिए समान रूप से चिंतन करते हैं।